2024

HINDI

(Regular Generic)

Paper : HIN-RG-6016

(तुलनात्मक भारतीय साहित्य : असमिया कहानी)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

   (क) आधुनिक असमिया कहानी का प्रारम्भ किस कहानीकार से माना जाता है?

   (ख) 'नदराम' शीर्षक कहानी के कहानीकार कौन हैं?

   (ग) मि० परेश कौन-सी कहानी का पात्र है?

   (घ) शीलभद्र को किस ग्रंथ के लिए 'साहित्य अकादमी' पुरस्कार मिला था?

   (ङ) जोनाकी युग के किसी एक कहानीकार का नाम लिखिए।

   (च) प्रथम असमिया कहानी-संग्रह का नाम लिखिए।

(छ) होमेन बरगोहाञि की कहानियों की कोई एक विशेषता बताइए।

(ज) 'गराखहनीया' कहानी के एक पुरुष पात्र का नाम लिखिए।

(झ) 'किनाराम' कौन-सी कहानी का पात्र है?

(ञ) पूरबी बरमुदै के किसी एक कहानी-संग्रह का नाम लिखिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) भबेन्द्रनाथ शइकिया के किन्हीं दो कहानी-संग्रहों के नाम लिखिए।

(ख) "एः नालागे दे, मरमर मानुहजनी थाकिब इयात, तोर हेपाहर चादरखन थाकिब मोर बाकचत परि, एइबोर थानबान है थका कथा बेया, एइबोर थूप खुवाई लब लागे।" किसने किससे कहा था?

(ग) स्नेह देवी की कहानियों की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

(घ) 'नदराम' कहानी में नदराम कौन हैं?

(ङ) आवाहन युग की कहानियों की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) 'नदराम' कहानी के प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए।

(ख) कहानी के प्रारम्भ में मि० परेश साथियों के साथ किस विषय को लेकर बातें कर रहे थे?

(ग) शीलभद्र की कहानियों की भावपक्षीय विशेषताओं को प्रस्तुत कीजिए।

(घ) होमेन बरगोहाञि का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(ङ) पठित कहानी के आधार पर 'चुलतान' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(च) 'पर्दा' कहानी के माध्यम से कहानीकार क्या कहना चाहते हैं?

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10

लाहे लाहे बताहर बेग चरिल, बररुणर टोपाल डाङर हॉल, मेघर गार्जान पर्बते-पाहारे प्रतिध्वनित हॉल, बिजुलिये दुर्योगर आग बातरि दिले। चुलताने भाबिले, "बतर घोर बिरोधी। रातिटोलै आश्रय पालेउ बोधहय बेया नाछिल। किन्तु, कार तालै एइ राति दुपरत आश्रय बिचारि याय।"

अथवा

टकाइ बोले मानुह टाने। जेतिया किनारामर धन-दौलतर परिमाण मानुहर मुखे-मुखे बाढ़ि गै एक धरिब नोवारा, भाबिब नोवारा संख्यात परिलगै तेतिया माउरा किनारामर इष्ट बाँधव, मिटिर कुटुमर संख्या हठात् बाढ़ि आहिल।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×3=30

(क) कहानी-कला के आधार पर 'गराखहनीया' कहानी की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'जानेकी' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ख) 'मने मने' **अथवा** 'मधुपुर बहुदूर' कहानी के प्रतिपाद्य की समीक्षा कीजिए।

(ग) असमिया कहानी साहित्य को भबेन्द्रनाथ शइकिया की देन का मूल्यांकन कीजिए।

अथवा

लक्ष्मीनाथ बेजबरुवा की कहानियों की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

★★★